संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार **CCRT Newsletter**

खण्ड 3 • अंक 11 • नवम्बर 2025 Volume 3 • Issue 11 • November, 2025

पुनरुत्थान काल में कला-चिंतन

पुनरूत्थान युग के समीक्षकों को जितना कष्ट 'सामजस्य' इस शब्द का अर्थ समझने में हुआ, उतना ही कष्ट उन्हें 'आनंद' इस शब्द की परिभाषा करने में हुआ। कौन-से आनंद को महत्व देना चाहिये? आनंद को सौंदर्य का मापदण्ड क्यों मानना चाहिये? इन प्रश्नों ने समीक्षकों को विचार करने के लिए मजबूर कर दिया। ऐसा नहीं हुआ कि इन प्रश्नों के निश्चित उत्तर समीक्षक दे पाए। कभी समीक्षकों ने यह कहा कि जो कला अधिकांश लोगों को पसंद आती है, वह अधिक सुंदर है। कभी उन्होंने यह भी कहा कि कलाकार स्वयं अपनी कलाकृति की योग्यता निश्चित कर सकता है। यदि कलाकार को स्व-रचित रचना से आनंद मिलता है तो वह रचना सुंदर ही होगी। कभी उनका यह भी कहना रहा कि सौंदर्य का मापदण्ड निश्चित करना कठिन है। डयुरर ने इस बारे में कहा कि चित्रकार स्वयं अपनी कलाकृति को लेकर योग्य निर्णय लेने में समर्थ होता है। अर्थात् उन्होंने यह भी माना कि अन्य लोग भी चित्रकार की चित्रकारिता को लेकर विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। लिओनादों के अनुसार चित्रकारों ने समीक्षकों के विचार का स्वागत करना चाहिये। अलबर्टो के अनुसार जिनका अंतिम ध्येय आनंद-प्राप्त का नहीं है, ऐसे कलाकारों का चित्र संपूर्ण नहीं है।

पुनरूत्थान युग के कवियों का उद्देश्य काव्य के माध्यम से आनंद प्रदान करना यह था। बर्नाडो तासो कहते हैं कि उन्होंने वाचन करने वालों को पूर्ण आनंद देने का प्रयास किया। यह बात कठिन है, किन्तु आवश्यक भी है। बहोत कवि हमें निर्देश करते हैं। हमें उसका लाभ भी होता है। किन्तु वे आनंद नहीं देते। केस्टलविट्टो इस बात को लेकर प्रतिपादन करते हैं कि निर्देश देना अथवा सद्गुणों की शिक्षा देना यह काव्य का उद्देश्य नहीं है। काव्य का उद्देश्य आनंद प्रदान करना ही है और हर युग में काव्य का यही उद्देश्य रहा है। कवि तथा दर्शनशास्त्री का उद्देश्य भिन्न है। इसीलिये कवि ने दर्शन शास्त्र में खुद को अटकाने की आवश्यकता नहीं है। सामान्य दर्शन को आनंद प्रदान करना कवि का उद्देश्य होना चाहिये।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

नवम्बर 2025 की प्रमुख गतिविधियाँ

"वंदे मातरम्:" राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सीसीआरटी का सामूहिक समन्वित संगीत प्रस्तुतीकरण

दिनांक 07 नवम्बर 2025 को राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संस्कृति मंत्रालय के सौजन्य से एवं सीसीआरटी के समन्वय से "नाद एकम् रूपम् अनेक" शीर्षक से वंदे मातरम् गीत का सामूहिक समन्वित संगीत प्रस्तुति का आयोजन किया, जिसमें पद्म भूषण श्री साजन मिश्रा, पद्मश्री रोनू मजूमदार, पद्मश्री येल्ला वेंकटेश्वर राव, एसएनए पुरस्कार प्राप्त तरुण भट्टाचार्य, डॉ. मंजीनाथ मैसूर, मुरुगा बूपथी आदि सहित विभिन्न राज्यों और कला क्षेत्रों के 59 कलाकारों ने भाग लिया।

यह कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, माननीय संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, माननीय दिल्ली के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना तथा माननीय दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता की उपस्थिति में इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 12000 के करीब दर्शक मौजूद थे।

जनजातीय व्यवसाय सम्मेलन – 12 नवंबर 2025 को यशोभूमि, द्वारका, नई दिल्ली

'ट्राइबल बिजनेस कॉन्फ्रेंस 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन यशोभूमि, द्वारका, नई दिल्ली में दिनांक 12.11.2025 को सम्पन्न हुआ। इस ऐतिहासिक समारोह में माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल, माननीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुआल ओराम, तथा माननीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके मौजूद रहे। सम्मेलन का उद्घाटन जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके द्वारा किया गया, जिन्होंने संस्कृति मंत्रालय द्वारा क्यूरेट किए गए थीम पवेलियन का भी उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र में डॉ. सच्चिदानंद जोशी, सदस्य सचिव, आईजीएनसीए ने रचनात्मक अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु सांस्कृतिक विरासत को उद्यमिता से जोड़ने के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

इस समारोह का संपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम का संकलन और प्रबंधन सीसीआरटी, संस्कृति मंत्रालय द्वारा किया गया। जिसमें मुण्डा जनजाति के कलाकारों ने पारंपरिक ढोलों और भेद जैसे वाद्यों के साथ आकर्षक संगीत प्रदर्शन प्रस्तुत किया। इसके बाद असम की मिसिंग जनजाति के कलाकारों ने गुमराग और ओनितोम जैसे उत्साहपूर्ण लोक-नृत्यों की प्रस्तुति दी।

समापन सत्र में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल, केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम तथा राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके सहित विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक तथा देशभर से आए 250 से अधिक जनजातीय उद्यमी उपस्थित रहे। संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) द्वारा प्रस्तुत थीम पवेलियन में जटिल जनजातीय शिल्प, पारंपरिक कला रूपों तथा जीवंत शिल्प प्रदर्शनियों के माध्यम से रचनात्मक शिक्षाशास्त्र, सामुदायिक कौशल विकास और सांस्कृतिक विविधता का सुंदर समन्वय प्रदर्शित किया गया। जिसमें **"लोकध्वनि: ट्राइबल रेंडिशन्स इन मोशन एंड मेलोडी"** शीर्षक से भव्य संगीत और नृत्य प्रस्तुति आयोजित की गई, जिसे सीसीआरटी ने तैयार किया था। कुल 33 उत्कृष्ट जनजातीय एवं लोक कलाकारों ने इसमें भाग लिया-जिनमें झारखंड की मुण्डा जनजाति के 18 कलाकार (नेतृत्व: श्री लखन गुरिया) और असम की मिसिंग जनजाति के 7 कलाकार (नेतृत्व: डॉ. दिपेन दास) शामिल थे साथ ही श्री सीताराम महतो सहित 7 कलाकार ने पुरुलिया छऊ नृत्य की प्रस्तुति दी। कोरियोग्राफी श्रीमती हेलेन आचार्य (पूर्व सचिव, संगीत नाटक अकादमी) तथा श्री सुषांत महाराणा के मार्गदर्शन में संकल्पित की गई थी। प्रस्तुति की मुख्य विशेषता तीन पारंपरिक जनजातीय कला रूपों का अद्वितीय संगम था- असम का मिसिंग गुमाराग नृत्य, झारखंड का मुंडारी नृत्य एवं संगीत, पश्चिम बंगाल का पुरुलिया छऊ।

यह सम्मेलन जनजातीय कार्य मंत्रालय, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तथा संस्कृति मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सम्मेलन को एफआईसीसीआई (उद्योग भागीदार), प्रयोगी फाउंडेशन (ज्ञान भागीदार) तथा टीआईसीसीआई (समर्थन भागीदार) का सहयोग प्राप्त हुआ।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती (जनजातीय गौरव दिवस)

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवम्बर 2025 को प्रातः 9:00 बजे संसद भवन परिसर में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर भारत के माननीय राष्ट्रपति, माननीय उपराष्ट्रपति, माननीय लोकसभा अध्यक्ष, संसदीय कार्य मंत्री, अल्पसंख्यक कार्य मंत्री तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा जनजातीय लोक संगीत प्रस्तुति दी।

पुष्पांजलि के दौरान पारंपरिक वेशभूषा में 22 जनजातीय कलाकारों की दो लोक कलाकार

टीमों-झारखंड की मुण्डारी जनजातीय लोक नृत्य दल तथा असम की मिशिंग जनजातीय लोक नृत्य दल द्वारा स्वागत संगीत प्रस्तुत किया गया। संस्कृति मंत्रालय की ओर से सीसीआरटी के अधिकारी डॉ. राहुल कुमार (उप निदेशक), श्री दीबाकर दास (उप निदेशक) तथा डॉ. रजनीश कुमार सिंह (क्षेत्र अधिकारी) कलाकारों की व्यवस्था एवं कार्यक्रम के समन्वय हेतु उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी) के लिए नवम्बर माह प्रशिक्षण, स्वच्छता, कला-आधारित शिक्षण तथा क्षेत्रीय सहभागिता के दृष्टिकोण से अत्यंत सक्रिय एवं उपलब्धिपूर्ण रहा। इस माह आयोजित विभिन्न अनुस्थापन पाठ्यक्रमों तथा स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 के अंतर्गत संपन्न गतिविधियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप शिक्षा को भारतीय संस्कृति, भारतीय ज्ञान प्रणालियों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने के सीसीआरटी के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ किया।

'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025' के अंतर्गत स्वच्छता कार्यशाला

(24 से 28 नवम्बर, 2025), क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद)

सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद में आयोजित 508वें अनुस्थापन पाठ्यक्रम के दौरान "स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025" के अंतर्गत 24 से 28 नवम्बर, 2025 तक स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवधि में स्वच्छता शपथ, श्रमदान, परिसर स्वच्छता अभियान तथा अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी शिक्षकों एवं अधिकारियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत जीवनशैली के महत्व से अवगत कराया गया। चर्चा सत्रों में स्वच्छता को विद्यालयी पाठ्यचर्या एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। यह प्रयास किया गया कि स्वच्छता केवल एक अभियान न रहकर दैनिक जीवन एवं विद्यालयी संस्कृति का अभिन्न अंग बने।

एनईपी-2020 के अनुरूप 506वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम (सिद्धि समारोह)

(20 नवम्बर, 2025, क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर)

सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर में आयोजित एनईपी-2020 के अनुरूप 506वें अनुस्थापन पाठ्यक्रम का सिद्धि समारोह दिनांक 20 नवम्बर, 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री दिनेश कोठारी, पूर्व निदेशक, एससीईआरटी राजस्थान ने प्रतिभागी शिक्षकों द्वारा तैयार की गई शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM) एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा उनकी रचनात्मकता एवं नवाचार की सराहना की।

इस 21 दिवसीय पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के लिए दृश्य, प्रदर्शनकारी एवं साहित्यिक कलाओं पर आधारित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए। भारतीय लोक एवं शास्त्रीय कलाओं, शिल्प परंपराओं, कहानी, कविता तथा नाट्य रूपों को शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया

से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। इसके अतिरिक्त शैक्षिक यात्राओं के माध्यम से प्रतिभागियों को स्थानीय सांस्कृतिक विरासत, संग्रहालयों एवं ऐतिहासिक स्थलों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराया गया। समापन समारोह के अंत में प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। यह पाठ्यक्रम शिक्षकों को कला-आधारित एवं बहुविषयी शिक्षण पद्धतियों को कक्षा-कक्ष में प्रभावी रूप से अपनाने हेतु प्रेरित करने में सफल रहा।

एनईपी-2020 के अनुरूप 507वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(06 से 26 नवम्बर, 2025, सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी)

सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी में एनईपी-2020 के अनुरूप 507वें अनुस्थापन पाठ्यक्रम का शुभारंभ 06 नवम्बर, 2025 को हुआ। इस 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के 9 विभिन्न राज्यों से 60 सेवारत शिक्षकों ने सहभागिता की। उद्घाटन समारोह में सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली से डॉ. संदीप शर्मा, उपनिदेशक (प्रशिक्षण) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति के समन्वय पर विशेष बल दिया।

पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को कला-आधारित शिक्षण, लोक एवं शास्त्रीय प्रदर्शनकारी कलाओं, साहित्यिक परंपराओं, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा स्थानीय सांस्कृतिक संसाधनों के शैक्षिक उपयोग से परिचित कराया गया। सैद्धांतिक सत्रों के साथ-साथ व्यावहारिक कार्यशालाओं में संगीत, नृत्य, दृश्य कला, नाट्य एवं रचनात्मक लेखन के प्रयोगात्मक अभ्यास कराए गए।

शैक्षिक भ्रमण एवं सांस्कृतिक अध्ययन यात्राओं ने प्रतिभागियों को असम एवं उत्तर-पूर्व भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर प्रदान किया। पाठ्यक्रम ने शिक्षकों को अपनी कक्षा में स्थानीय संस्कृति एवं कला रूपों को समावेशी एवं रचनात्मक ढंग से प्रयोग करने हेतु सशक्त बनाया।

एनईपी-2020 के अनुरूप 508वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(24 नवम्बर से 05 दिसम्बर, 2025, क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद)

सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद में एनईपी-2020 के अनुरूप 508वें अनुस्थापन पाठ्यक्रम का आयोजन 24 नवम्बर से 05 दिसम्बर, 2025 तक किया गया। इस पाठ्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए सेवारत शिक्षकों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान कला-आधारित शिक्षण, शिल्प, संगीत, नृत्य, दृश्य कला एवं भारतीय सांस्कृतिक विरासत से जुड़े सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों को शिक्षण-अधिगम सामग्री निर्माण, गतिविधि-आधारित शिक्षण तथा बहुविषयी दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इसके अतिरिक्त शैक्षिक भ्रमण एवं सांस्कृतिक यात्राओं के माध्यम से प्रतिभागियों को स्थानीय ऐतिहासिक स्थलों, संग्रहालयों एवं शिल्प परंपराओं से परिचित कराया गया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को अनुभवात्मक शिक्षण पद्धतियों से सशक्त बनाना तथा विद्यालयी शिक्षा में भारतीय संस्कृति के रचनात्मक उपयोग को बढ़ावा देना रहा।

एनईपी-2020 के अनुरूप 509वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(26 नवम्बर से 16 दिसम्बर, 2025, क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर में दिनांक 26 नवम्बर से 16 दिसम्बर, 2025 तक सेवारत शिक्षकों हेतु "एनईपी-2020 के अनुरूप 509वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम" का आयोजन किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम में भारत के चार विभिन्न राज्यों से आए शिक्षक सहभागिता कर रहे हैं।

उद्घाटन समारोह में सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली से डॉ. संदीप शर्मा, उपनिदेशक (प्रशिक्षण) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्रों के अंतर्गत दृश्य कला, प्रदर्शनकारी कला एवं साहित्यिक परंपराओं पर आधारित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

हिन्दुस्तानी संगीत विशेषज्ञ श्री समर्थ जानवे द्वारा व्याख्यान एवं प्रदर्शन के माध्यम से हिन्दुस्तानी संगीत की उत्पत्ति, विकास एवं विभिन्न गायन शैलियों की बारीकियों पर प्रकाश डाला गया। इसी क्रम में डॉ. संदीप शर्मा द्वारा *"Visuals of Indian Mythology: Stories, Texts and Traditions"* विषय पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया, जिसमें भारतीय पौराणिक कथाओं, दृश्य परंपराओं एवं उनके शैक्षिक उपयोग पर गहन संवाद हुआ।

यह पाठ्यक्रम शिक्षकों को भारतीय कला, संस्कृति और मिथकीय परंपराओं को शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया से जोड़ने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है।

कार्यशाला (प्रशिक्षण) अनुभाग/ WORKSHOP (TRAINING) SECTION

"एनईपी-2020 के अनुरूप शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका" पर कार्यशाला

(19 नवम्बर से 03 दिसम्बर, 2025, सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली)

देश के विभिन्न राज्यों से आए 32 प्रतिभागियों ने पंद्रह दिवसीय पुतलीकला कार्यशाला में उत्साहपूर्ण भागीदारी की, जिसमें फिंगर पपेट, ग्लव पपेट, शैडो पपेट और स्ट्रिंग पपेट के निर्माण, संचालन और शैक्षणिक उपयोग पर गहन प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिदिन आयोजित योग सत्रों ने प्रतिभागियों को मानसिक और शारीरिक संतुलन प्रदान किया। विशेषज्ञों ने प्रशिक्षकों को पौराणिक कथाओं, पर्यावरण शिक्षा, मूल्य शिक्षा, संवाद कौशल, कहानी-कला, कला एवं शिल्प प्रशिक्षण तथा शैक्षणिक भ्रमण जैसे विविध अनुभवों कों साहजा करके कार्यशाला को समृद्ध बनाया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए पाठ योजनाएँ, स्टोरीबोर्ड, पुतलियाँ, नाट्य प्रस्तुतियाँ और परियोजना कार्य तैयार किए, जिससे स्पष्ट हुआ कि पुतलीकला न केवल मनोरंजक है बल्कि शिक्षण-अधिगम को रोचक, अनुभवाधारित और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक बनाती है, जो एनईपी-2020 की भावना के अनुरूप है। कार्यशाला के सफल समापन पर सभी प्रतिभागियों को उनके अनुशासन और रचनात्मकता के लिए बधाई दी गई तथा विद्यालयों में पुतलीकला के माध्यम से शिक्षा को अधिक प्रभावी और बाल-केंद्रित बनाने की आशा व्यक्त की गई।

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक भोपाल, मध्य प्रदेश में 13 से 15 नवंबर, 2025 तक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 13 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक पुणे, महाराष्ट्र में 24 से 28 नवंबर, 2025 तक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 24 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

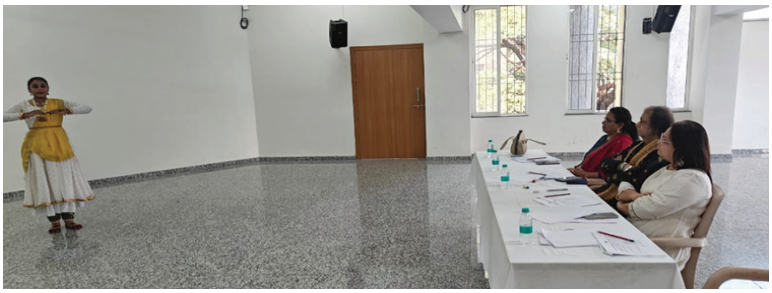

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक कोलकाता, पश्चिम बंगाल में 27 नवंबर से 5 दिसंबर, 2025 तक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 40 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

मूल्यांकन अनुभाग/ EVALUATION SECTION

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

10 से 14 नवंबर, 2025 तक सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में "शिक्षा हेतु एकीकृत दृष्टिकोण" विषय पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम में 13 विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों-असम, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, हरियाणा, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल-से ओरिएंटेशन कोर्स में प्रशिक्षित कुल 57 सीसीआरटी शिक्षकों ने भाग लिया। यह पुनश्चर्या पाठ्यक्रम "वंदे मातरम्: राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने का स्मरण" को समर्पित था।

'पाठ्यक्रम शिक्षण में सांस्कृतिक तत्व' विषय पर जिला स्रोत व्यक्तियों (डीआरपी) हेतु कार्यशाला

21 से 23 नवंबर, 2025 तक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर में "पाठ्यक्रम शिक्षण में सांस्कृतिक तत्व" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें 19 विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों-असम, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, गुजरात, हरियाणा, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड एवं पश्चिम बंगाल-से कुल 84 सीसीआरटी डीआरपी ने सहभागिता की। यह कार्यक्रम "वंदे मातरम्: राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने का स्मरण" तथा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) को समर्पित था। इन सभी डीआरपी को प्रख्यात संगीतज्ञ एवं गायक डॉ. प्रेम भंडारी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के गायन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

"वंदे मातरम: राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने की स्मृति" में कार्यक्रम

- **वंदे मातरम् एवं पत्रकार वार्ता विषयक प्रदर्शनी का उद्घाटन**

  सीसीआरटी द्वारा 4 विद्यालयों के कुल 500 स्कूली विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर "वंदे मातरम्" विषयक प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा किया गया। इसके पश्चात आयोजित पत्रकार वार्ता में स्कूली विद्यार्थियों ने भी सक्रिय सहभागिता की।

- सीसीआरटी द्वारा 3 विद्यालयों के कुल 1000 स्कूली विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर "वंदे मातरम्" विषयक प्रदर्शनी को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा देखा गया। इसके उपरांत प्रख्यात वायलिन वादक मैसूर मंजूनाथ द्वारा कोरियोग्राफ किए गए कलाकार समूह द्वारा राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की संगीतमय प्रस्तुति दी गई। संपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय की ओर से सीसीआरटी द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री ने देशवासियों को संबोधित करते हुए बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के विशेष संदर्भ सहित स्वतंत्रता संग्राम में इस राष्ट्रीय गीत के योगदान और सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डाला।

- **"वंदे मातरम्" को समर्पित तीन दिवसीय रचनात्मक कार्यशाला**

  12 से 14 नवंबर, 2025 तक सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दो विद्यालयों में कुल 600 स्कूली विद्यार्थियों के लिए विस्तार सेवाएं एवं सामुदायिक पुनर्निवेश कार्यक्रम के अंतर्गत एक रचनात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें वंदे मातरम् गीत शिक्षण, रंगमंच, कठपुतली कला, मृत्तिका कला, रंगोली, मधुबनी एवं वारली चित्रकला, मोती शिल्प, कागज शिल्प जैसी रचनात्मक गतिविधियों में प्रशिक्षण दिया गया।

जनजातीय विरासत से उद्यमिता: सतत् उद्यमशीलता को बढ़ावा

सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित पैनल चर्चा "जनजातीय विरासत से उद्यमिता: सतत उद्यमशीलता को बढ़ावा" रही। इस सत्र का संचालन डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक, सीसीआरटी द्वारा किया गया। पैनल में कला, साहित्य, संस्कृति और शिक्षा जगत से जुड़े प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया। डॉ. सच्चिदानंद जोशी, सदस्य सचिव, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) ने कहा कि लिपि का लोप प्राय: जनजातीय परंपराओं के अर्थ और गहराई के क्षरण का कारण बनता है। प्रो. एस.एम. पटनायक, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु कथा-आधारित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री महादेव टोप्पो, सदस्य, साहित्य अकादमी तथा श्री रणेंद्र सिंह, पूर्व निदेशक, जनजातीय अनुसंधान संस्थान ने इस बात पर जोर दिया कि जनजातीय भाषाओं को रचनात्मक अभिव्यक्ति के जीवंत माध्यम के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। श्री कार्तिक गग्गर, संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रूफटॉप ने जनजातीय कला को युवा पीढ़ी के लिए अधिक सुलभ और प्रासंगिक बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला तथा श्री राजेश वांगड़, प्रख्यात वारली ने वारली कला को "केवल आकृतियों और पैटर्न से परे, दृश्यात्मक कथा-कथन की एक भाषा" के रूप में वर्णित किया।

जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में काली बाई के जीवन पर आधारित एक कठपुतली नाट्य प्रस्तुति शामिल थी, जो मात्र 13 वर्ष की आयु में 19 जून 1947 को शिक्षा के उत्थान हेतु अपने प्राणों का बलिदान देने वाली एक साहसी भील बालिका थीं। इसके पश्चात कालबेलिया (राजस्थान), भावई (राजस्थान) तथा डांग (दक्षिण गुजरात) कणे लोक नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने क्षेत्रीय जनजातीय संस्कृति की विविधता और समृद्धि को सजीव रूप में प्रस्तुत किया।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली: नवम्बर 2025 में सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में 6 विद्यालयों में कुल 2896 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर: नवम्बर 2025 में सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर में 12 विद्यालयों में कुल 2001 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद: नवम्बर 2025 में सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद में 7 विद्यालयों में कुल 2301 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी: नवम्बर 2025 में सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी में 3 विद्यालयों में कुल 1018 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र, दमोह: नवम्बर 2025 में सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी में 3 विद्यालयों में कुल 609 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

नवम्बर 2025 में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 8825 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :
डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी	**डॉ. राहुल कुमार,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी	**श्री दिबाकर दास,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (मूल्यांकन एवं अध्येतावृत्ति)	**श्री आशुतोष,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)	**डॉ. संदीप शर्मा,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह, मध्य प्रदेश
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति)	
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II)	
श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)	
श्री अनुभव सिंह, उप निदेशक (प्रशासन)	
श्री राम सरन, उप निदेशक (वित्त)	

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष: 011-25309300 ई-मेल: dir.ccrt@nic.in वेबसाइट: www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी

संपादक: **अनुज कुमार बाजपेयी**, क्षेत्राधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कुमार**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर